

सीडीओ ने किसान दिवस आयोजन में किसानों की समस्याएँ सुन अधिकारियों को दिये निर्देश

वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एफीओ की बैठक में हुई चर्चा, वैज्ञानिकों ने दिये टिप्स

(आज समाचार सेवा)

कानपुर देहात, 19 फरवरी। मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन० कौ अध्यक्षता में किसानों को उन्नत एवं नवीनमत कृषि तकनीकों से अवगत कराने एवं उनकी समस्याओं के निस्तारण हेतु प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किये जाने हेतु शासन के निर्देशों के परिपालन में माह फरवरी २०२५ के किसान दिवस का आयोजन दिनांक १९.०२.२०२५ को विकास भवन सभागार में किया गया। किसान दिवस में जनपद के समस्त कृषक उत्पादक संगठनों के अध्यक्ष/प्रतिनिधि, भारतीय किसान यूनियन के मण्डल एवं जिलाध्यक्ष के साथ-साथ लगभग १०५ किसानों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य पालक अभिकरण, सहकारिता विभाग, विद्युत विभाग, नलकृषि विभाग, सिंचाई विभाग, लघुसिंचाई विभाग आदि के जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा किसानों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी तथा किसानों की शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशानुसार कृषि



माती विकास भवन में किसान दिवस पर बैठक लेती सीडीओ लक्ष्मी एन मौजूद है उपनिदेशक कृषि रामवचन राम, जिला कृषि अधिकारी उमेश गुप्ता, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० खलील खान, भाकियू महात्मा टिकैत जिलाध्यक्ष विपिन तिवारी व अन्य अधिकारी तथा किसान पदाधिकारी आदि, छाया:आज

विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० खलील खान द्वारा जनपद में किये गये मृदा सर्वेक्षण के आधार पर तैयार ग्रिडवार उत्पादकता मानचित्र के आधार पर किसानों/कृषक उत्पादक संगठनों को मृदा स्वास्थ्य, मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता एवं मृदा के प्रकार के आधार विकास खण्डवार/ग्रिडवार फसल संस्तुति प्रदान की गयी। उनके द्वारा बताया गया कि जनपद में समस्त विकासण्ड में नत्रजन एवं जिंक की कमी है, जबकि अमरौधा, झींझक में फासफोरस की कमी है

इसी प्रकार रसूलाबाद, डेरापुर, मैथा में लौह तत्व की कमी है साथ ही पोटस एवं सल्फर तत्व की जनपद में मध्यम उपलब्धता है। जिसके आधार पर अधिक लाभ प्रदान करने वाली नकदी फसलों की संस्तुति ग्रिड के आधार पर कृषि वैज्ञानिकों द्वारा की गयी है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उपरोक्तानुसार प्राप्त वैज्ञानिक संस्तुति एवं उसके आधार पर चयनित फसलों की सूची विकास खंड वार समस्त कृषि निवेश विक्रय

केन्द्रों पर चर्चा की जाए जिससे अधिक से अधिक संख्या में किसान उपयुक्त फसल का चयन कर कम लागत में अधिक आय अर्जित कर सकें। जिलाधिकारी द्वारा किसानों से वैज्ञानिक संस्तुति के आधार पर चयनित फसलों की खेती कम से कम १० प्रतिशत भूमि पर करने की अपेक्षा की गयी, जिससे उनको फसल प्रयोग के परिणाम से स्वयं ज्ञात हो कि कौन सी फसल उनकी भूमि के लिए अच्छी है जिससे उनको कम लागत में अधिक आय प्राप्त हो सकती है। उपरोक्त

के अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त कृषक उत्पादक संगठनों के अध्यक्ष/प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि वह नियमित रूप से समस्त सदस्यों की बैठक का आयोजन करेंगे तथा आयोजन की सूचना उप कृषि निदेशक, कानपुर देहात को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायेंगे, जिससे उनके द्वारा उक्त बैठक में स्वयं अथवा जिला कृषि अधिकारी की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जा सके।

उत्पादकता के आधार पर बोएं फसल

किसान दिवस

- किसान दिवस में सीडीओ ने किसानों से किया आह्वान
- वैज्ञानिक परीक्षणों से मिले परिणामों का करें उपयोग

कानपुर देहात, संवाददाता। माती विकास भवन में बुधवार को सीडीओ लक्ष्मी नागप्पन की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें किसानों की समस्याएं सुनने के साथ ही सीडीओ ने किसानों को सर्वेक्षण और ग्रिडवार उत्पादकता के परिणामों के आधार पर फसलों की बुआई करने का आह्वान किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. खलील खान द्वारा जनपद में किये गये मृदा सर्वेक्षण के आधार पर तैयार ग्रिडवार उत्पादकता मानचित्र के आधार पर किसानों/कृषक उत्पादक संगठनों को मृदा स्वास्थ्य, मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता एवं मृदा के प्रकार के आधार विकास खण्डवार/ग्रिडवार फसल संस्तुति प्रदान की गयी। उन्होंने बताया कि जनपद में समस्त विकासखण्ड में नत्रजन एवं जिंक की कमी है, जबकि अमरौधा, झींझक में फास्फोरस की कमी है। इसी प्रकार रसूलाबाद, डेरापुर, मैथा में लौह तत्व की कमी है साथ ही पोटैस एवं सल्फर तत्व की जनपद में



हिंदुस्तान कानपुर देहात 20/02/2025

किसान दिवस में किसानों से बात करती सीडीओ। • हिन्दुस्तान

मध्यम उपलब्धता है। इसके आधार पर अधिक लाभ प्रदान करने वाली नकदी फसलों की संस्तुति कृषि वैज्ञानिकों द्वारा की गयी है।

सीडीओ ने जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वैज्ञानिक संस्तुति एवं उसके आधार पर चयनित फसलों की सूची विकास खंड वार समस्त कृषि निवेश विक्रय केन्द्रों पर चर्चा की जाए जिससे अधिक से अधिक संख्या में किसान उपयुक्त

फसल का चयन कर कम लागत में अधिक आय अर्जित कर सके।

जिलाधिकारी द्वारा किसानों से वैज्ञानिक संस्तुति के आधार पर चयनित फसलों की खेती कम से कम 10 प्रतिशत भूमि पर करने की अपेक्षा की गयी, जिससे उनको फसल प्रयोग के परिणाम से स्वयं ज्ञात हो कि कौन सी फसल उनकी भूमि के लिए अच्छी है जिससे उनको कम लागत में अधिक आय प्राप्त हो सकती है।

जिले में नत्रजन एवं जिंक की कमी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार। विकास भवन सभागार में सीडीओ की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान शिकायतों की शिकायतों को सुनकर उनका निस्तारण किया गया। साथ ही उन्नत खेतीबाड़ी समेत योजनाओं की जानकारी दी गई।

बुधवार को किसान दिवस में सीडीओ लक्ष्मी एन. ने जिला कृषि अधिकारी डॉ. उमेश कुमार गुप्ता को निर्देशित किया कि वैज्ञानिक संस्तुति एवं उसके आधार पर चयनित फसलों की सूची विकास खंड वार सभी कृषि निवेश विक्रय केंद्रों पर चस्पा की जाए। जिससे अधिक से अधिक संख्या में किसान उपयुक्त फसल का चयन कर कम लागत में अधिक आय अर्जित कर सकें। जिलाधिकारी द्वारा किसानों से वैज्ञानिक संस्तुति के आधार पर चयनित फसलों की खेती कम से कम 10 प्रतिशत भूमि पर करने



बुधवार को सीडीओ की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन हुआ। अमृत विचार

की अपेक्षा की गई। जिससे उनको फसल प्रयोग के परिणाम से स्वयं ज्ञात हो कि कौन सी फसल उनकी भूमि के लिए अच्छी है।

कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने जनपद में किए गए मृदा सर्वेक्षण के आधार पर तैयार ग्रिडवार उत्पादकता मानचित्र के आधार पर किसानों व कृषक उत्पादक संगठनों को मृदा स्वास्थ्य, मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता एवं मृदा के प्रकार के आधार विकास

खंडवार/ग्रिडवार फसल संस्तुति प्रदान की। बताया कि जनपद के सभी ब्लॉकों में नत्रजन एवं जिंक की कमी है। जबकि अमरौधा व झींझक में फास्फोरस की कमी है। इसी प्रकार रसूलाबाद, डेरापुर व मैथा में लौह तत्व की कमी है। साथ ही पोटैस एवं सल्फर तत्व की जनपद में मध्यम उपलब्धता है। जिसके आधार पर अधिक लाभ प्रदान करने वाली नकदी फसलों की संस्तुति ग्रिड के आधार पर कृषि वैज्ञानिकों द्वारा की गई है।